वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 142 | मंगलवार 19 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

एक्टर आशीष विद्यार्थी, वरुण शर्मा, अनूप सोनी आएंगे जयपुर

वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट की 7 अक्टूबर से होगी शुरूआत, बनेगा भांगड़ा जुम्बा का वर्ल्ड रिकॉर्ड

जयपुर. कासं। एसके फाइनेंस वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट के तीसरे संस्करण का मंच सजने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फेस्ट का आयोजन 7 और 8 अक्टूबर को जयपुर में जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम में एसके फाइनेंस और संस्कृति युवा संस्था की ओर से किया जा रहा है। फेस्ट में हेल्थ एंड वेलनेस के अलग-अलग आयामों से जुड़े 100 से अधिक एक्सपर्ट विभिन्न सेशन के जरिए अपनी बात रखेंगे। आरयूएचएस कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक होंगे। फेस्ट के सह-संस्थापक, नरिशन्त शर्मा और मुकेश मिश्रा ने बताया कि, फेस्ट में सेशन के अलावा 2000 लोग भांगड़ा जुम्बा का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे, जिसमें भांगड़ा फिटनेस के लिए फेमस एश्री कौर भांगड़ा करेंगी और साथ में जुम्बा भी होगा। ओशो डायनामिक मेडिटेशन, वैलनेस ह्यूमन बुक्स, क्लोज टू नेचर वर्कशॉप जैसे कार्यक्रम भी होंगे। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा और जेइसीआरसी यूनिवर्सिटी के निदेशक व आयोजन समिति के चेयरमैन अमित अग्रवाल ने फेस्ट मे शामिल होने वाले स्पीकर्स की लिस्ट जारी की, जिसमें बॉलीवुड एक्टर और मोटिवेशनल स्पीकर के नाम शामिल हैं।

रूफटॉप ने देशभर की लोक कलाओं को दिया बड़ा मंच

'इंडियार्ट' में दिखी मिनिएचर आर्ट की खूबसूरती, राजस्थानी मिनिएचर पेंटिंग का मेस्ट्रो कोर्स लॉन्च

जयपुर. कासं

भारत की लोक कलाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रूफटॉप की ओर से दिल्ली के बीकानेर हाउस में 'इंडियार्ट' एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है, जिसे देश-दुनिया के कला प्रेमियों से काफी सराहना मिल रही है। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस की उप महानिदेशक अंजू रंजन इसके उद्घाटन समारोह की गेस्ट ऑफ ऑनर थीं, जबकि गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट के पूर्व प्राचार्य व मूर्तिकार पद्मविभान बिहारी दास विशिष्ट अतिथि थे। रूफटॉप के संस्थापक और सीईओ कार्तिक गग्गर इंडियार्ट के जरिए देशभर के कई लोक व आदिवासी कला रूपों को एक मंच पर लाया गया है। इसमें देशभर के 27 कलाकारों की 9 भारतीय कला रूपों पर बनाई 80 पेंटिंग्स प्रदर्शित कर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को साकार किया गया है। इनकी कलाकृतियों में जहां वरली आर्ट की सरल सुंदरता देखी जा सकती है, वहीं माता नी पचेड़ी के जरिए भक्ति कला को भी प्रदर्शित किया गया है। एक अन्य कला रूप के जरिए श्रीनाथजी के नाथद्वारा की पवित्र भूमि का अहसास किया जा सकता है। इनके अलावा पाबूजी की कहानियों, भीलों व गोंडों के साथ घुलने-मिलने जैसे विषयों पर आधारित कला रूप भी शामिल किए गए हैं। इसी प्रकार एग्जीबिशन में पूर्वी भारत की जादुई मधुबनी पेंटिंग भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है और बिंदुओं, रेखाओं व अलग-अलग पैटर्न के माध्यम से कला की बारीकियों को समझाने का प्रयास भी किया गया है। ये सभी कला रूप पौराणिक विषयों, स्टोरी टेलिंग और पूजा करने के अनोखे तरीकों पर आधारित है। बीकानेर हाउस में ही अलग-अलग कला रूपों पर आधारित मास्टर क्लास वर्कशॉप्स भी आयोजित की गई। इनमें अंबिका देवी द्वारा मधुबनी, डी. वेंकटरमन व डी. दीपिका की ओर से चेरियाल, विजय व प्रवीण म्हसे द्वारा वरली, राजाराम शर्मा की ओर से पिछवई, वेंकटरमन सिंह श्याम की ओर से गोंड, कल्याण जोशी की ओर से फड़ और लाडो बाई की ओर से भील आर्ट पर वर्कशॉप ली गई।

रूफटॉप का मिनिएचर पेंटिंग मेस्ट्रो कोर्स किया गया लॉन्च

पर्यटन मंत्रालय की महानिदेशक मनीषा सक्सेना ने 'मिनिएचर मेलडीज' कार्यक्रम में रूफटॉप ऐप के मिनिएचर पेंटिंग का मेस्ट्रो कोर्स लॉन्च किया और कलाकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर पद्मशाकिर अली, पद्मतिलक गिताई, शिल्प गुरु आशाराम मेघवाल, महावीर स्वामी, वीरेंद्र बन्नू, खुश नारायण जांगिड़, संपत बोचिया, शम्मी बन्नू, भंवरलाल कुमावत, रामू रामदेव सहित देश के कई प्रतिष्ठित कलाकार उपस्थित थे। कार्तिक गग्गर ने बताया कि विजुअल आर्ट के जरिए परफॉर्मिंग व फाइन आर्ट को आपस में कनेक्ट करने के लिए कार्यक्रम में रेतीला राजस्थान बैंड को विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया। यहां रेतीला राजस्थान बैंड ने राजस्थान के लोक संगीत पर आधारित अपनी सुमधुर संगीतमय प्रस्तुतियों के जरिए मिनिएचर आर्ट की विभिन्न शैलियों को प्रमोट किया। बैंड के सदस्यों की ओर से राजस्थान की संगीतमय विरासत पर केंद्रित प्रस्तुतियों को मिनिएचर आर्ट के ट्रेडिशन से कनेक्ट किया गया।

गांधी जयंती की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

जयपुर. कासं। प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग दिनेश कुमार ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर 2 अक्तूबर को राज्य स्तरीय समारोह शासन सचिवालय परिसर तथा गांधी सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर आयोजित किया जाएगा। दिनेश सोमवार को शासन सचिवालय में इस राज्य स्तरीय आयोजन की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय कर उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने राज्य स्तरीय समारोह की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में शैली किशनानी, विशिष्ठ शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, प्रकाश राजपुरोहित, जिला कलेक्टर, जयपुर, पुरूषोत्तम शर्मा, निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहित कार्मिक विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग,पुलिस विभाग,सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अधिकारी उपस्थित थे।

जैन दस लक्षण धर्म विशेष

उत्तम क्षमा-कलह छोड़ क्षमा को धारें...

विजय कुमार जैन राघौगढ़ (गुना)

क्षमा आत्मा का स्वभाव है। सहिष्णुता, समता और सौजन्य क्षमा की पर्याय हैं। क्षमा की निष्पत्ति संस्कृत के ''क्षमु'' धातु से हुई है। यह सामर्थ्य और क्षमता के अर्थ से प्रयुक्त है। सामर्थ्य और क्षमता सम्पन्न व्यक्ति ही क्षमा धारण कर सकता है। क्षमा का एक अर्थ धरती और वृक्ष भी है। धरती सारी दुनिया के भार को सहती है। सबके पदाघात को सहन करती है। किसी का कोई प्रतिकार नहीं करती है। यह धरती की महानता है। इसी कारण इसे क्षमा कहा जाता है। वृक्ष शीत, गर्मी और वर्षा की बाधाओं को प्रतिकार रहित सहन करते हैं। तब उनके मीठे फल लगते हैं वृक्ष पर पत्थर मारने पर भी वह मीठे फल देता है। यही उसकी महानता है। धरती और वृक्ष की भाँति सहिष्णु व्यक्ति ही क्षमा जैसे गुण धारण कर सकते हैं। क्षमा धारण करना विशिष्ट क्षमतावान महान आत्माओं के ही वश की बात है। आज के युग में क्षमा के लिये एक नया शब्द चल पड़ा है - सॉरी,सॉरी में क्षमा का भाव नहीं है। क्षमा अतंरग का भाव है। क्षमा तीन परिस्थितियों में की जाती है - (1) मजबूरी में (2) स्वार्थ वश (3) वास्तविक। क्रोध को उत्पन्न ही नहीं होने देना वास्तविक क्षमा है। गलतफहमी इससे बहुत जल्दी मनो मालिन्य हो जाता है। मन में शंका की दरार पड़ जाती है। इस गलतफहमी के कारण ''सूत न कपास जुलाहों से लट्ठम लट्ठा'' की कहावत चरितार्थ हो जाती है। जिसके प्रति विश्वास हो उसके प्रति मिस अन्डर स्टण्डिंग या गलतफहमी नहीं होती है। यदि किसी के प्रति कोई गलतफहमी हो गई है, तो उसका निराकरण करना चाहिये। गहराई में जाकर सच्चाई का पता लगाना चाहिये। अपना पक्ष बता देने और सामने वाले का पक्ष सुन लेने से गलतफहमी का निराकरण हो जाता है। अन्यथा संशय और फिर कलह उत्पन्न हो जाती है। शास्त्रों में चार प्रकार के क्रोध बताये हैं। क्रोध से कलह होती है। क्रोध के चार प्रकार यह है (1) पत्थर की लकीर - कभी न मिटने वाली लकीर (2) धरती की लकीर - यह लकीर मौसम बदलने पर मर जाती है (3) धूल की लकीर - यह लकीर भी जल्दी मिट जाती है (4) पानी की लकीर - खींची नहीं कि मिट जाती है। संत पहले स्तर पर तो क्रोध को आने ही नहीं देते हैं। आ भी जाये तो वह जल की लकीर की भांति होता है। सन्तों ने कलह निवारण के उपाय भी बताये है - (1) सहिष्णुता का विकास (2) समग्रता का चिन्तन (3) विनोद प्रियता (4) मौनधारण - कलह को टालने का सरल उपाय है मौन। नीतिकार कहते हैं ''मौनेन कलहा नास्ति'' मौन धारण करने से कलह नहीं होती। एक अंग्रेजी विचारक ने लिखा है मौन स्वर्ण निर्मित आभूषण है। क्षमा की आज आराधना की है। क्रोध का अभाव कर, बैर व विरोध की गांठ न बंधने दें। यह भी संकल्प लें कि मैं सभी जीवों को क्षमा करता हूँ। सभी जीव मुझे क्षमा करें, सब जीवों के प्रति मेरे मन में मैत्री हो, किसी के प्रति भी बैर न हो। हमारा यथा संभव प्रयास हो - किसी से कलह न हो। कभी कलह हो जाये तो तत्काल उसका निवारण करना चाहिये। यही गृहस्थ की उत्तम क्षमा है।

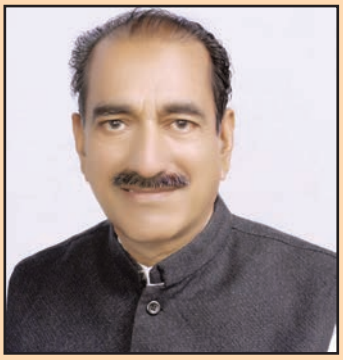

नोटः-लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

अमर पार्श्वगायक महेन्द्र कपूर के गीतों से संजय रायजादा, गोरव जैन व साथी गायकों ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार 17 सितंबर की शाम जैन सोशल ग्रुप जयपुर गोल्ड और रविंद्र मंच जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में अमर गायक महेंद्र कपूर के नगमों का अविस्मरणीय और अनुपम, आयोजन रविंद्र मंच जयपुर के मुख्य सभागार में हुआ। जेएसजी गोल्ड के अध्यक्ष सुरेंद्र पाटनी और संथापक अध्यक्ष राकेश गोधा ने बताया कि इसमें सुप्रसिद्ध गायक संजय रायजादा (वाइस ऑफ महेंद्र कपूर), मरूकोकिला सीमा मिश्रा, गायक डॉ. गौरव जैन, गायिका दीपशिखा जैन, तथा भारतीय प्रशासनिक अधिकारी रवि जैन ने महेन्द्र कपूर के मनमोहक, सदाबहार और देशभक्ति गीतों को बड़ी ही तन्मयता से प्रस्तुत किया। मंगलाचरण रिया जैन, रूपल पाटनी, नीलू गोधा, रश्मि चांदवाड़, राजकुमारी बैद, कविता जैन और प्रतिभा जैन ने किया। कार्यक्रम के सयोजक राजकुमार वैद और संस्था सचिव विनीत चांदवाड़ के अनुसार विकल्प एडवरटाइजिंग के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में एआरएल इंफ्राटेक लिमिटेड के प्रमोद जैन, जिंदल स्टील के मदन लाल, हेमंत गुप्ता, निखार फेशंस के प्रदीप निर्मला चूड़ीवाल, बापू नगर निवासी युवा समाजसेवी दंपति सौम्या राहुल पाटनी, सीए ओ पी अग्रवाल, समाजसेवी ज्ञान चंद झांझरी इस भव्य आयोजन में दीपप्रज्वलन कर ईश्वर का स्मरण किया। समारोह में संजय रायजादा ने ''चलो एक बार फिर से'' तथा ''मेरे देश की धरती'', डॉ गौरव जैन ने ''किसी पत्थर की मूरत से'' तथा ''है प्रीत जहां की रीत'', सीमा मिश्रा व संजय रायजादा ने ''जिसके सपने हमें रोज'', दीपशिखा जैन व गौरव जैन ने इन हवाओं में इन फि जाओं में, गौरव जैन व सीमा मिश्रा ने ''आधा हैं चन्द्रमा'', संजय रायजादा व दीपशिखा जैन ने ''तुम्हारा चाहने वाला'' आदि अनेकों नगमे सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। मंच संचालन माला जैन ने किया।

वेद ज्ञान

दाम्पत्य प्रज्ञा

परिवार ने लोगों को ऐसी हालत में ला दिया है कि परिवार से इतर ध्यान बंटाए बगैर व्यक्ति सहज महसूस ही नहीं करता। कुछ वर्ष पूर्व तक पति-पत्नी के बीच चाहे जितनी कटुता रही हो, लेकिन तलाक का ख्याल अंतिम विकल्प नहीं हुआ करता था, मगर अब विवाद शुरू होते ही पहला ख्याल तलाक का आता है। जो दंपति साथ मिलकर किसी भी चुनौती का सामना कर सकते थे, वे आज एक-दूसरे के लिए ही चुनौती बने हुए हैं। जीवन में प्रेम का अभाव निरंतर गहराता जा रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि व्यक्ति को ज्ञान केवल अपना हो सकता है, दूसरे का तो सिर्फ अनुमान होता है। अपने प्रति सजग और दूसरे के प्रति करुणावान पति-पत्नी का दांपत्य ही सुखद होता है। जो भी प्रेममय नहीं है, वह परमात्मा को नहीं पा सकता। प्रेम प्रारंभ है और परमात्मा उसकी परिणति, लेकिन प्रेम स्वतः नहीं मिलता। इसे अर्जित करना होता है। प्रेम का अर्थ है-दूसरे की मौजूदगी का आनंद लेना। परस्पर सम्मान इसका आधार है। सांसारिक इच्छाओं में सबसे ऊपर है-सम्मान की इच्छा। सम्मान की कमी के कारण ही विवाहेत्तर संबंध बन जाते हैं। दंपति परस्पर समानता का भाव रखें तभी एक-दूसरे का सम्मान कर सकते हैं। पति-पत्नी को मैत्री का दायरा बढ़ाना चाहिए। प्रेम सीमित से ही संभव है जबकि मैत्री असीमित से हो सकती है। जिसकी मित्रमंडली बड़ी होती है, वही परिवार में भी मित्रवत हो पाता है। कोई है जो आपका ख्याल रखता है, जीवन में यह निश्चिंतता बहुत मायने रखती है। इसलिए पति-पत्नी को एक-दूसरे पर ध्यान देना चाहिए। दोनों यदि ध्यानी भी हो सकें तो परस्पर प्रेम देने का भाव गहराता जाता है। यदि प्रज्ञा असाधारण हो तो एकदम विपरीत प्रकृति के जीवनसाथी के साथ भी निर्वाह हो सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि तब आपकी दृष्टि कौन ठीक है के बजाय, क्या ठीक है पर होती है। जीवनसाथी का साथ निभाने में ही आपकी कला और चेतना का विकास है। भावनाओं का शुद्धीकरण और चैतन्य का विकास ही अध्यात्म की मंजिल है। इसलिए प्राचीन काल में ऋषि-मुनि धर्मकार्य में पत्नी का भी सहयोग लेते थे।

संपादकीय

सामरिक संसाधनों की मजबूती बेहद जरूरी है

राष्ट्रों की ताकत इस बात से भी आंकी जाती है कि उनकी सामरिक हैसियत क्या है। खासकर उन देशों के लिए अपनी सेना को मजबूत बनाना ज्यादा जरूरी हो जाता है, जिनका पड़ोसी देशों से लगातार तनाव बना रहता है। भारत को इसीलिए अपनी सामरिक शक्ति लगातार मजबूत बनाए रखनी पड़ती है कि उसे चीन और पाकिस्तान से लगातार चुनौतियां मिलती रहती हैं। निस्संदेह पिछले कुछ वर्षों में भारत ने सैन्य साजो-सामान के मामले में अपने को सुदृढ़ किया है और पड़ोसी चीन को चुनौती देने के स्तर पर खड़ा हो सका है। इसके लिए न केवल दूसरे देशों से उन्नत सामरिक संसाधनों की खरीद पर जोर दिया गया, बल्कि घरेलू विनिर्माण में भी सैन्य उपकरणों के उत्पादन पर बल दिया गया। इस कड़ी में पैंतालीस हजार करोड़ रुपए के नौ रक्षा सौदों को मिली नई मंजूरी से निस्संदेह सेना का मनोबल बढ़ेगा। इसमें सुखोई एमकेआइ लड़ाकू विमान और हवा से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की मिसाइलों

तथा नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के टोही विमान और हल्के बख्तरबंद बहुद्देश्यीय वाहनों तथा तोपों की खरीद शामिल है। दरअसल, सेना को लंबे समय से शिकायत रही है कि बदलती जरूरतों के अनुसार उसके पास अत्याधुनिक सैन्य संसाधनों की कमी है। नए रक्षा सौदों को मंजूरी मिलने से वह शिकायत काफी हद तक दूर हो सकती है। दरअसल, वायुसेना के लड़ाकू बेड़े में तैनात ज्यादातर विमान पुराने पड़ चुके थे। उनकी जगह नए उन्नत विमानों की खरीद लंबे समय से टलती आ रही थी। रफाल की खरीद से कुछ हद तक वह कमी पूरी हुई। अभी और नए रफाल आने हैं। सुखोई जैसे विमानों के आने से वायुसेना की ताकत और बढ़ेगी। बदलती सामरिक स्थितियों में वायुसेना की भूमिका ज्यादा अहम होती गई है, इसलिए उसे अत्याधुनिक और उन्नत सामरिक संसाधनों से लैस करना ज्यादा जरूरी माना जाता है। इसी तरह नौसेना और थलसेना को भी अत्याधुनिक साजो-सामान से लैस किया जा रहा है। नए रक्षा सौदों की मंजूरी से तीनों सशस्त्र बलों की ताकत बढ़ेगी। पहले ही नौसेना को उन्नत पोत मिल चुका है, जो आपात स्थिति में समुद्र में वायुसेना को भी लड़ाकू विमान उतारने और उड़ान भरने में मददगार साबित होगा। इस तरह हिंद महासागर में भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ी है। नए सौदों के बाद टोही विमान सहित दूसरे उपकरण मिलने से वह और ताकतवर होगी। उत्साहजनक बात यह भी है कि दूसरे देशों से सामरिक साजो-सामान खरीदने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल भी इस दिशा में हो रहा है और कई उपलब्धियां हासिल हुई हैं। मगर इन सबके बीच सरकार के लिए यह चिंता का विषय तो है कि भारत को अपना खर्च लगातार बढ़ाना पड़ रहा है। इस समय रक्षा बजट तीन लाख करोड़ रुपए से ऊपर है। हर साल बजट में रक्षा मद में कुछ बढ़ोतरी करनी पड़ती है। प्रधानमंत्री ने भी पहले कार्यकाल में यह चिंता प्रकट की थी कि सेना को अत्याधुनिक बनाने और उस पर खर्च कम करने की चुनौती बड़ी है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सट्टेबाजी

तकनीक ने जहां आम जनजीवन को सुविधाजनक बनाया है, वहीं इसका दुरुपयोग करने वालों ने इसे एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। जैसे-जैसे लोगों की निर्भरता और व्यस्तता इंटरनेट पर बढ़ने लगी, अवैध रूप से आर्थिक गतिविधियां चलाने वाले गिरोहों ने उसी रास्ते लोगों को फंसाना शुरू कर दिया। मसलन, सट्टेबाजी का धंधा चलाने के लिए कई ऐप चलाए और उसके जरिए बिना मेहनत के अकूत कमाई के सपने परोसे जाने लगे। इस तरह के जाल में फंसने वाले ज्यादातर लोगों को नुकसान ही हुआ, लेकिन ऐसे ऐप संचालित करने वालों ने करोड़ों-अरबों रुपए की कमाई से अपना व्यापक कारोबार खड़ा कर लिया। गौरतलब है कि शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने महादेव आनलाइन सट्टेबाजी ऐप को लेकर एक बड़ी कार्रवाई की और इस मामले में देश भर में उनतालीस ठिकानों पर छापेमारी कर चार सौ सत्रह करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की। छत्तीसगढ़ के रहने वाले दो लोग महादेव सट्टेबाजी ऐप के संचालक हैं और मौजूदा समय में ईडी के निशाने पर हैं। सट्टेबाजी के जरिए संयुक्त अरब अमीरात में बनाए गए साम्राज्य का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसी साल फरवरी में इस ऐप के एक संचालक ने जब वहां शादी की तो उस समारोह में करीब दो सौ करोड़ रुपए नकद खर्च किए गए। उसमें मुंबई फिल्म जगत से कई गायकों और अभिनेताओं को प्रदर्शन करने के लिए बुलाया गया था और सबको हवाला के जरिए बड़ी रकम का भुगतान किया गया। ईडी की जांच में इस बात का भी खुलासा हुआ कि महादेव बुक ऐप और सट्टेबाजी का मामला छत्तीसगढ़ के कुछ राजनेताओं और पुलिस अधिकारियों से भी जुड़ा है। इस ऐप का सालाना कारोबार लगभग बीस हजार करोड़ रुपए का था। जाहिर है, इस धंधे के संचालकों ने यह कारोबार कोई एक दिन में नहीं खड़ा कर लिया। पैसे के लेनदेन और खासकर डिजिटल तरीके से आनलाइन और गैरकानूनी आर्थिक गतिविधियों पर नजर रखने का दावा करने वाले संबंधित महकमों के कामकाज करने का तरीका आखिर क्या है कि कोई भ्रष्टाचार इस स्तर तक पहुंचने के बाद पकड़ में आता है। आए दिन सट्टेबाजी के खिलाफ अभियान छेड़ने और इसके जरिए किसी तरह का अवैध कारोबार करने वालों पर शिकंजा कसने के दावे के बरक्स हकीकत यह है कि आज बड़े पैमाने पर लोग अलग-अलग तरीके से सट्टेबाजी के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा रहे हैं। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों के दौरान किसी भी तरीके से पैसे कमाने की जैसी भूख पैदा हुई है, उसमें बहुत सारे लोगों को इसमें कोई हिचक नहीं होती कि पैसा किस रास्ते से हासिल किया गया। कई लोग जुआ और सट्टेबाजी का सहारा लेकर रातों-रात अमीर बनने की ख्वाहिश पालते और इसके संजाल में फंस भी जाते हैं। ऐसे ही लोगों की धनी बनने की भूख को भुना कर सट्टेबाजी का तंत्र संचालित करने वाले माफिया अपना कारोबार खड़ा करते और दूसरों की मेहनत की कमाई को अलग-अलग तरीके से लूट कर अपना आर्थिक साम्राज्य कायम करते हैं। सरकार को जहां इस तरह के धंधे पर पूरी तरह रोक लगानी चाहिए, वहां आनलाइन सट्टेबाजी पर जीएसटी लगाने की बात कर परोक्ष रूप से उसके लिए जगह मुहैया कराने की कोशिश हो रही है। जबकि सट्टेबाजी के जरिए गैरकानूनी रूप से करोड़ों-अरबों रुपए की कमाई करने और प्रकारांतर से जुआ खेल कर अमीर बनने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाने की तत्काल जरूरत है।

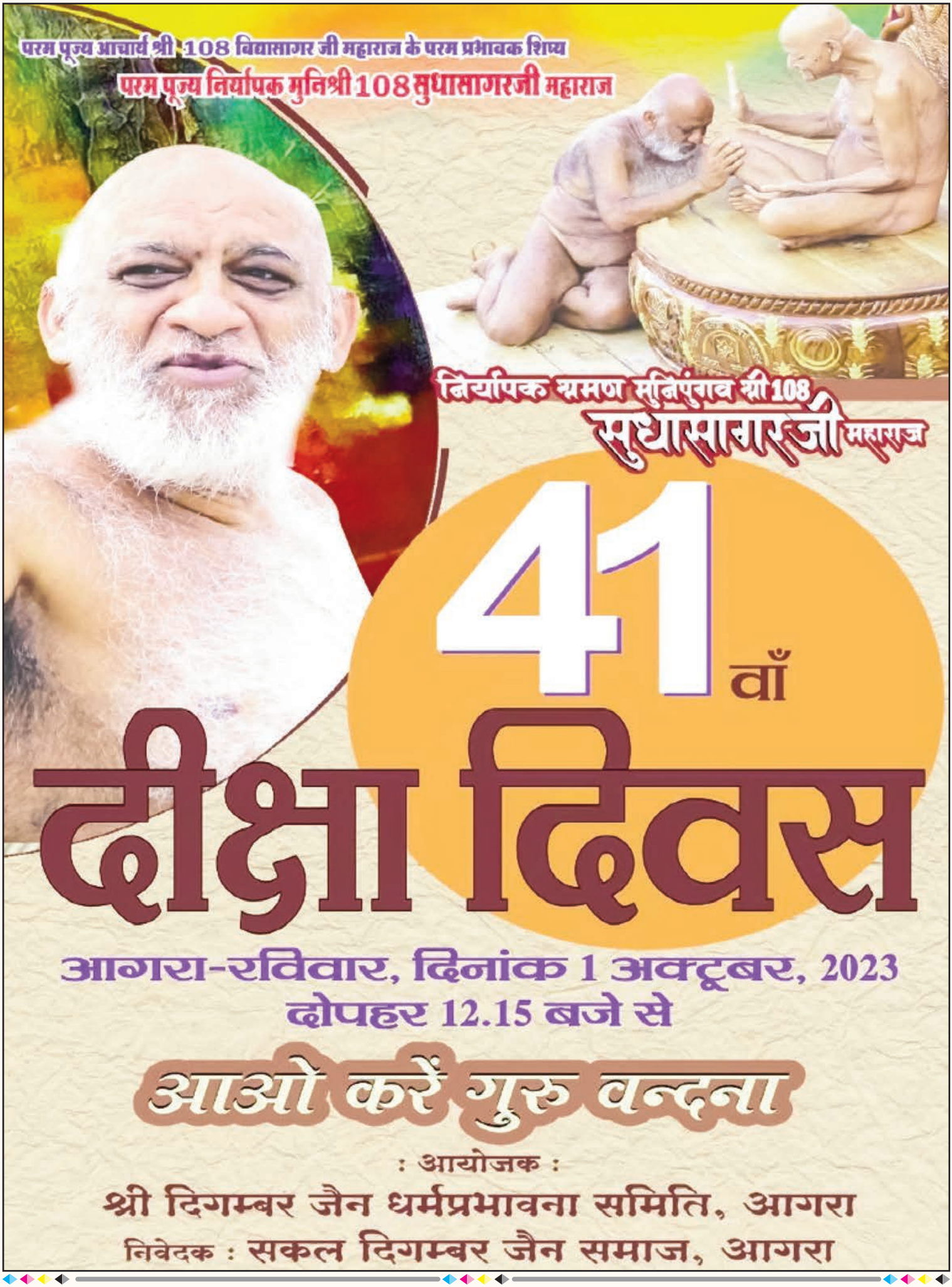
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

श्रावक संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
के मंगल सानिध्य में आगरा की पुण्य धरा पर

30 वां श्रावक शिविर संस्कार

आगरा–दिनांक 19 से 29 सितम्बर 2023 तक

– शिविर आयोजक स्थल–
श्री महावीर दिगम्बर जैन इण्टर कॉलेज परिसर, हरीपर्वत, आगरा (उ.प्र.)

शिविर पुण्यार्जक

श्रावक श्रेष्ठी श्री निर्मल-उर्मिला, वीरेंद्र-उषा रेखा
रजत-आयुषी, रौनक-अदिति,
विभोर विन्नी हर्षिल द्रव्या जियांशी मोठ्या परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री हीरालाल-वीना,
दिवाय-कोमल, उत्कर्ष दिविषा काव्या
अर्हम बैनाडा परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री राजेश-रजनी,
निखिल-पूजा, शोभित-आरती,
कनिष्का हर्नीशा, आध्या सेठी परिवार

श्रावक संस्कार शिविर

निर्देशक	निर्देशक
हुकम जैन 'काका'	दिनेश गंगवाल
94141-84618	93145-07802

सुधा अमृत वर्षायोग–2023, आगरा

जगत पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज का
41वां मुनि दीक्षा दिवस समारोह अश्विन वदी तृतीया
दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12:15 से मनाया जायेगा।

शिविर आयोजक:- श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति, आगरा (उ.प्र.)

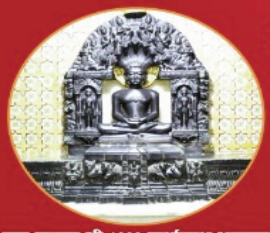

मूल नायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर

कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर

दशलक्षण महापर्व

सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक 19 सितम्बर से 30 सितम्बर 2023 तक, रात्रि 8 बजे से

तिथि	वार एवं दिनांक	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम संयोजक	संयोजक	दीप प्रज्जवलनकर्ता
चतुर्थी	मंगलवार 19/9/2023	धार्मिक हाऊजी भक्ति के रस	श्रीमति विजया काला श्री राजेन्द्र पाटनी श्री आशीष बैद	श्री भागचन्द बाकलीवाल श्री महावीर पाटनी	श्री विरेन्द्र कुमार पाटनी परिवार
पंचमी	बुधवार 20/09/2023	जिनधर्म अन्ताक्षरी	श्रीमति रचना बिलाला श्रीमति मीनू गिरधरवाल	श्री महेन्द्र गिरधरवाल श्री मनीष लौग्या	श्री पदम चन्द, श्री जय कुमार श्री विनोद कुमार कासलीवाल परिवार, साईवाड़ वाले
षष्ठी	गुरूवार 21/09/2023	जम्बू स्वामी का वैराग्य (नाटक)	श्रीमति शिप्रा बैद श्रीमति रीना कासलीवाल श्रीमति सोनल पाटनी	श्री प्रेम कुमार जैन श्री आशीष बैद	श्री कमल श्री अभिषेक, श्री अभिनव पहाड़िया परिवार
सप्तमी	शुक्रवार 22/09/2023	जैन रंगा रंग वेश भूषा (फैन्सी ड्रेस) नृत्य प्रतियोगिता एवं भजन गायन प्रतियोगिता	श्रीमति सुप्रिया डोड्या श्रीमति रीना गोदिका श्रीमति रश्मि पाटनी	श्री राजेन्द्र पाटनी श्री उम्मेदमल पाण्ड्या	श्री सुनील, श्री अक्षत बाकलीवाल परिवार
अष्टमी	शनिवार 23/09/2023	भक्तामर पाठ (48 दीपकों से ऋद्धि मंत्रो सहित)	श्रीमति मुन्ना देवी बिलाला श्रीमति अनीता बैद श्रीमति निर्मला काला	श्री जगदीश जैन श्री इन्दर चन्द जैन	श्री जय कुमार श्री अजीत, श्री अमित कासलीवाल परिवार
नवमी/ दशमी	रविवार 24/09/2023	सुगन्ध दशमी			
ग्यारस	सोमवार 25/09/2023	अनेकता में एकता जैन धर्म की शान कौन	श्रीमति आशा काला श्रीमति कुसुम सौगानी श्रीमति आशा लुहाड़िया	श्री कैलाश बैद श्री अनिल गदिया	श्री मनीष रेवडी वाले बाकलीवाल परिवार
बारस	मंगलवार 26/09/2023	महिमा भक्तामर की (श्री भक्तामर स्त्रोत नृत्य नाटिका)	श्रीमति पूनम तिलक श्रीमति नीतू जैन श्रीमति श्रुति जैन	श्री सुरेन्द्र गोधा श्री टीकमचन्द जैन	श्री महावीर पाण्ड्या निवाई वाले पाण्ड्या परिवार
तेरस	बुधवार 27/09/2023	विनतियाँ			
चौदस	गुरूवार 28/09/2023	अनन्त चतुर्दशी	अभिषेक सायं 4.00 बजे		
पड़वा	शनिवार 30/09/2023	पड़वा	अभिषेक सायं 4.30 बजे		

स्थान : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर

प्रतिदिन कार्यक्रम

प्रात: 6.15 बजे - अभिषेक एवं शांतिधारा
प्रात: 7.00 बजे - पूजन एवं दशलक्षण विधान साजों द्वारा
सायं 7.15 बजे - महाआरती
सायं 7.40 बजे - दशलक्षण धर्म पर प्रवचन
रात्रि 8.15 बजे - सांस्कृतिक कार्यक्रम

शास्त्र प्रवचन: श्री प्रकाश चन्द जैन, सांगानेर वाले

नोट:
1. सामुहिक दशलक्षण विधान मंडल पूजन साजों से जैन भवन में प्रात: 7.00 बजे से 10.00 बजे तक की जायेगी।
2. सायं 7.15 बजे सामुहिक महाआरती साजों से की जावेगी उसके पश्चात् प्रवचन होंगे।
3. समाज गौरव : वे छात्र जिन्होंने इस वर्ष की परीक्षा (दसवीं/बारहवीं) में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किये है तथा वह व्यक्ति जिन्होंने इस वर्ष प्रोफेशनल डिग्री प्राप्त की है। उन्हें समाज द्वारा 15 अक्टूबर 2023 (रविवार) को सामुहिक स्नेह मिलन समारोह में सम्मानित किया जायेगा। वे अपनी अंकतालिका / प्रोफेशनल डिग्री की प्रतिलिपि श्री आशीष बैद, श्री राजेन्द्र पाटनी, श्री सुरेन्द्र गोधा को दिनांक 5 अक्टूबर 2023 तक जमा करा दें। उसी कार्यक्रम के दौरान दशलक्षणपर्व कार्यक्रमों के विजेताओं एवं सयोजको और समाज के 80 वर्ष से अधिक के वृद्ध जनो का भी सम्मान किया जायेगा।
4. सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिदिन लक्की ड्रा से एक चाँदी का सिक्का निकाला जावेगा इनमें वही व्यक्ति भाग ले सकेंगे जो कार्यक्रम के शुरू से लेकर कार्यक्रम के अंत तक उपस्थित रहेंगे।

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	महामंत्री	मंत्री	कोषाध्यक्ष	प्रचार प्रसार मंत्री	सांस्कृतिक मंत्री
टीकम चन्द बिलाला मो. 9829111550	इन्दरचन्द जैन मो. 9252814030	जगदीश जैन मो. 9462863773	महावीर पाटनी मो. 9414047344	सुरेन्द्र गोधा मो. 9351715386	प्रेमकुमार जैन मो. 9413335026	राजेन्द्र पाटनी मो. 9460723559

सदस्यगण :- आशीष बैद, भागचन्द बाकलीवाल, महेन्द्र गिरधरवाल जैन, कैलाश चन्द बैद, टीकमचन्द जैन, उम्मेद मल जैन, मनीष लोंग्या, अनिल गदिया

आयोजक : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रबन्धकारिणी समिति एवं महिला मंडल, कीर्ति नगर, जयपुर

निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

दिगम्बर जैन धर्मावलम्बियों ने मनाया रोट तीज का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक

जैन मंदिरों में श्रृदालुओं ने तीन चौबीसी विधान की पूजा-अर्चना की

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चौरू, चकवाड़ा, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा लदाना सहित सभी दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने आज रोट तीज का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया ,फागी महिला मंडल की चित्रा गोधा एवं चंद्रकांता सिंघल ने बताया कि इस मौके पर आज मंदिरों में तीन चौबीसी विधान की पूजा अर्चना की गई तथा घरों में रोट खीर बनाकर अन्य धर्मों के लोगों, मित्रों को रोट खीर खिलाया गया, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि जैन समाज में इस त्यौहार का बडा महत्व है, आज श्रद्धालुओं द्वारा रोट, घी, बूरा एवं तुरई का रायता बनाया गया तथा जिनालयों में श्री जी के समक्ष उक्त व्यंजन अर्पित कर सुख शांति और समृद्धि की कामना की गई, पंडित संतोष बजाज ने बताया कि भाद्रपद शुक्ला तृतीया (तीज) को 72 कोठे का मण्डल मांडकर चौबीस महाराज की तीन चौबीसी पूजा विधान की पूजा की गई, महिला मंडल की संतोष बावड़ी,सुशीला बावड़ी,मैना बावड़ी,मीरा झंडा एवं संगीता कागला ने बताया कि इस पूजा विधान से लक्ष्मी अटल रहती है, इस दिन महिलाओं द्वारा रोट तीज का व्रत एवं उपवास भी किया जाता है, समाज की सुनीता सांघी,सुनिता मोदी तथा पूर्णिमा गोधा ने अवगत कराया कि दिगम्बर जैनधर्मावलंबियों के षोडशकारण एवं मेघमाला व्रत शनिवार 30 सितम्बर तक चलेगे तथा मंगलवार 19 सितम्बर से दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होगें जो गुरुवार 28 सितम्बर तक चलेगे, इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें तथा जैन धर्म में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव,उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रम्हचर्य सहित सभी दस धर्मों की दसलक्षण पूजा अर्चना की जायेगी ,इन दस दिनों में प्रातः से जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा, मुनिराजो, आर्यिकाओं के विशेष प्रवचन श्रृंखला, श्रावक संस्कार साधना शिविर, महाआरती, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे , धर्मावलंबी तीन दिन, पांच दिन, आठ दिन, दस दिन, सोलह दिन, बत्तीस दिन सहित अपनी क्षमता एवं श्रद्धानुसार अलग-अलग अवधि के उपवास कर धर्म लाभ प्राप्त करेंगे जिसमें निराहार रहकर केवल मात्र एक समय पानी लेते हैं, रविवार, 24 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जावेगी , गुरुवार 28 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन होने के बाद जिनालयों में श्री जी के कलश होगें शनिवार 30 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जावेगा , इस मौके पर वर्ष भर में जाने अनजाने में हुई त्रुटियों एवं गलतियों के लिए सभी धर्मावलंबी आपस में एक दूसरे से क्षमा मांगकर खोपरा मिश्री खिलायेगें।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मंगलवार से दस लक्षण पर्व का प्रारंभ

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। जैन धर्म में सबसे उत्तम पर्व और पर्वों का राजा कहे जाने वाले दस लक्षण महापर्व का शुभारंभ मंगलवार से होगा। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि दस लक्षण पर्व को आत्मा शोधन का पर्व भी कहा जाता है। इसमें तप कर कर्मों की निर्जरा कर अपनी काया को निर्मल बनाया जा सकता है। दस लक्षण पर्व को आध्यात्मिक दीपावली की संज्ञा भी दी गई है। जिस तरह दीपावली पर व्यापारी अपने संपूर्ण वर्ष का आय -व्यय का पूरा हिसाब करते हैं। गृहस्थ अपने घरों की साफ सफाई करते हैं ठीक उसी प्रकार दस लक्षण पर्व के आने पर जैन धर्म को मानने वाले लोग अपने वर्ष भर के पुण्य पाप का पूरा हिसाब करते हैं। वह अपनी आत्मा पर लगे कर्म रूपी मेल को साफ -सफाई इस दौरान करते हैं ।

आत्म जागरण का सन्देश

दस लक्षण पर्व आत्म जागरण का संदेश देता है। हमारी सोई हुई आत्मा को जगाता है। यह आत्मा के द्वारा आत्मा को पहचानने की शक्ति देता है। इस दौरान व्यक्ति की संपूर्ण शक्तियां जग जाती है। इस पर्व को संपूर्ण जैन समाज बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाते हैं। इसमें सभी श्रावकगण व्रत, उपवास और संयम से रहते हैं। यह पर्व 19 सितंबर से 28 सितंबर तक दिगंबर जैन समाज द्वारा मनाया जाएगा। दस लक्षण धर्म उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम सत्य, उत्तम शोच, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिन्चन, उत्तम ब्रम्हचर्य, इन 10 दिनों में धार्मिक कार्यक्रम चलेंगे अंत में दिगंबर जैन समाज का क्षमा याचना पर्व 30 सितंबर को मनाया जाएगा। पिड़ावा के सभी जिनालय नयापुरा के लाल मंदिर में दीदी के निर्देशन में, श्री आदिनाथ जिनालय एवं पंच बाल यति मंदिर स्वाध्याय भवन में पंडित शुभम शास्त्री भोपाल के नेतृत्व में व श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन जुना मंदिर नवीन जिनालय में आचार्य 108 सुव्रत सागर महाराज व बाल ब्रह्मचारी संजय भैया पठारी के सानिध्य में, श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में पंडित प्रतिष्ठा चार्य अन्नु शास्त्री जबलपुर के कुशल नेतृत्व में अभिषेक, पूजन, शास्त्र स्वाध्याय वह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। श्री सांवलिया पारसनाथ दिगंबर जैन अतिशेष क्षेत्र बड़ा मंदिर में 6.30 बजे अभिषेक शांतिधारा 7 बजे नित्य नियम पूजन, दस लक्षण धर्म की पूजन, प्रातः 9 बजे शास्त्र स्वाध्याय भैया अन्नु शास्त्री जबलपुर द्वारा, दोपहर 3 बजे तत्त्वार्थ सुत्र की कक्षा, शाम 7 बजे प्रतिक्रमण, आरती रात्रि में 8 बजे शास्त्र प्रवचन, रात 9 बजे ब्रह्मानंद सागर पाठशाला के अध्यापक निक्कू जैन, रानी जैन, सोनू राजस्थानी द्वारा 10 दिन तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा सभी कार्यक्रम अन्नू भैया जबलपुर के निर्देशन में होंगे ।

दशलक्षण पर्व आज से: प्रथम दिवस उत्तम क्षमा धर्म

जैन मंदिरों में गूंजेगी दशलक्षण पर्व की गूंज, उमड़ेगी श्रद्धालुओ की भीड़, स्वर्ण कलशों से होगे कलशाभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

मंगलवार से राजधानी जयपुर के दिगम्बर जैन मंदिर मे जैन धर्म के सबसे बड़े पर्व दशलक्षण महापर्व का आगाज होने जा रहा है मंगलवार को पहले दिन उत्तम क्षमा धर्म को अपने भावों में धारण कर सभी श्रावक और श्राविकाएं जिनेन्द्र आराधना करेगे और श्रद्धा-भक्ति के साथ अष्ट द्रव्यों के साथ पूजन आराधना करेगे, इससे पूर्व सभी जैन मंदिरों में श्रीजी का कलशाभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन होगा। प्रताप नगर सेकटर 8 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में दशलक्षण पर्व विधान पूजन का भव्य आयोजन प्रारम्भ किया जायेगा. इसके अतिरिक्त आमेर में उपाध्याय उर्जयंत सागर महाराज, पदमपुरा में आचार्य चेत्य सागर महाराज, बरकत नगर में आचर्य नविननंदी महाराज, जनकपुरी में आर्यिका विशेषमति माताजी, बिलवा में आर्यिका नंगमति माताजी और बगरू में आर्यिका भर्तेश्वरी माताजी के सानिध्य में विशेष आयोजन होगे। अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि दशलक्षण पर्व के शुभवासर पर 10 दिवसीय विधानपूजन का शुभारंभ किया जायेगा। जिसकी मांगलिक शुरूवात आचार्य संघ सानिध्य एवं पंडित संदीप जैन सेजल के निर्देशन में प्रारम्भ होगी, इस दौरान सर्व प्रथम ध्वजारोहण किया जायेगा, इसके पश्चात कलश स्थापना, मंडप शुद्धि संस्कार, इंद्र प्रतिष्ठा आदि क्रियाएँ सम्पन्न होगी इसके पश्चात संगीत के साथ विधान पूजन प्रारम्भ होगा, जिसमे सभी श्रावक और श्राविकाएं सम्मिलित होकर दस धर्मों का पूजन प्रारम्भ करेगे, मंगलवार से ही दशलक्षण पर्व के दस निर्जल उपवास भी प्रारम्भ हो रहे है। वर्षायोग समिति गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वालों ने बताया की दशलक्षण पर्व के शुभावसर पर मंगलवार से मुख्य पांडाल में आचार्य सौरभ सागर महाराज द्वारा दस धर्म पर विशेष प्रवचन सभा का आयोजन होगा, इस सभा के माध्यम से आचार्य श्री दस धर्म के महत्त्व पर प्रकाश डालेंगे और जीवन में दस धर्म का क्या महत्व है पर संबोधन देगे।

आज से शुरू होकर पड़वा तक चलेंगे प्रतिदिन आयोजन

प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां ने बताया की दशलक्षण पर्व मंगलवार से प्रारंभ होगे प्रतिदिन प्रातः 6.30 श्रीजी का कालशाभिषेक एवं शांतिधारा, प्रातः 7 बजे से नित्य नियम पूजन एवं दशलक्षण विधान पूजन, प्रातः 8.30 बजे से आचार्य सौरभ सागर महाराज के मंगल प्रवचन, सायं 7 बजे से जिनेन्द्र प्रभु महामंगल आरती, सायं 7.30 बजे धर्म चर्चा (पं संदीप जैन द्वारा), सायं 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन विशेष रूप से आयोजित होगे।

उत्तम क्षमा धर्म सारे विश्व को अपना बना लेना ही क्षमा है- आचार्य सौरभ सागर

प्रताप नगर में चातुर्मास कर रहे आचार्य सौरभ सागर महाराज ने दशलक्षण पर्व के प्रथम दिवस ''उत्तम क्षमा धर्म '' का महत्व बताते हुए कहा की क्षमा का अर्थ है कि साधक इतना गहरा चला जाए ताकि सारा विश्व उसे अपना मित्र लगे . अतीत की भूलों के प्रायश्चित का नाम है क्षमा . क्षमा के आभाव में त्याग, तपस्या, नियम, संयम, अब व्यर्थ हो जाते है. क्षमा आत्म - धर्म को प्राप्त करने का पहला मार्ग है. जो नम्र होने को राजी हो जाता है, वही क्षमा धर्म को प्राप्त करने का अधिकारी होता है। आचार्य श्री ने पर्युषण की प्रारम्भिक भूमिका में पर्व ०त्यौहार का अन्तर बताते हुए कहाँ कि त्यौहार राग प्रधान होता है, पर्व त्याग प्रधान होता है . त्यौहार किसी घटना को लेकर हमारे बिच आता है और पर्व अनादि, अनिधन, अकारण ध्रुव सत्य को लेकर हमारे बिच अवतरित होता है। त्यौहार खाने - पीने, मौज उड़ने के लिए आता है और पर्व त्यागने, तपने और कर्म भागने के लिए आता है . दीपावली, रक्षाबन्धन, होली आदि त्यौहार है. अष्टमी, चतुदर्शी, पर्युषण आदि पर्व है. परमात्मा को प्रकट करने वाला पर्व है. वासना से रहित कराने वाला पर्व है. पर्व जीवन में नया परिवर्तन लाता है . सम्पूर्ण रूप

में कर्म का श्रय करने का पर्यत्न करता है , कषाय रूपी शत्रुओ को भस्म करता है, आत्मा में वास करने का संदेश लेकर आता है. पर्युषण पर्व की साधना चेतना के उर्ध्वरोहंरा की तेयारी है . यहाँ पर्व वर्ष में तीन बार आता है . इस पर्व की तेयारी करने वाला मन की गांठ को खोलता है और क्षमा से परिपूर्ण होता है . वह सभी जीवों से क्षमा मांगते हुए कहता है कि मेने अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए जो भी गलत काम किये है, जीवों को सताया है, अपमानित किया है उसके लिए क्षमा चाहता हूँ . वह जो विराट है, सत्य है, मानव उसके प्रति पूर्ण रुपेण समर्पित होकर मन की विक्तियों को दूर करके अपने स्वभाव में पहुँचने का प्रयास करता है।

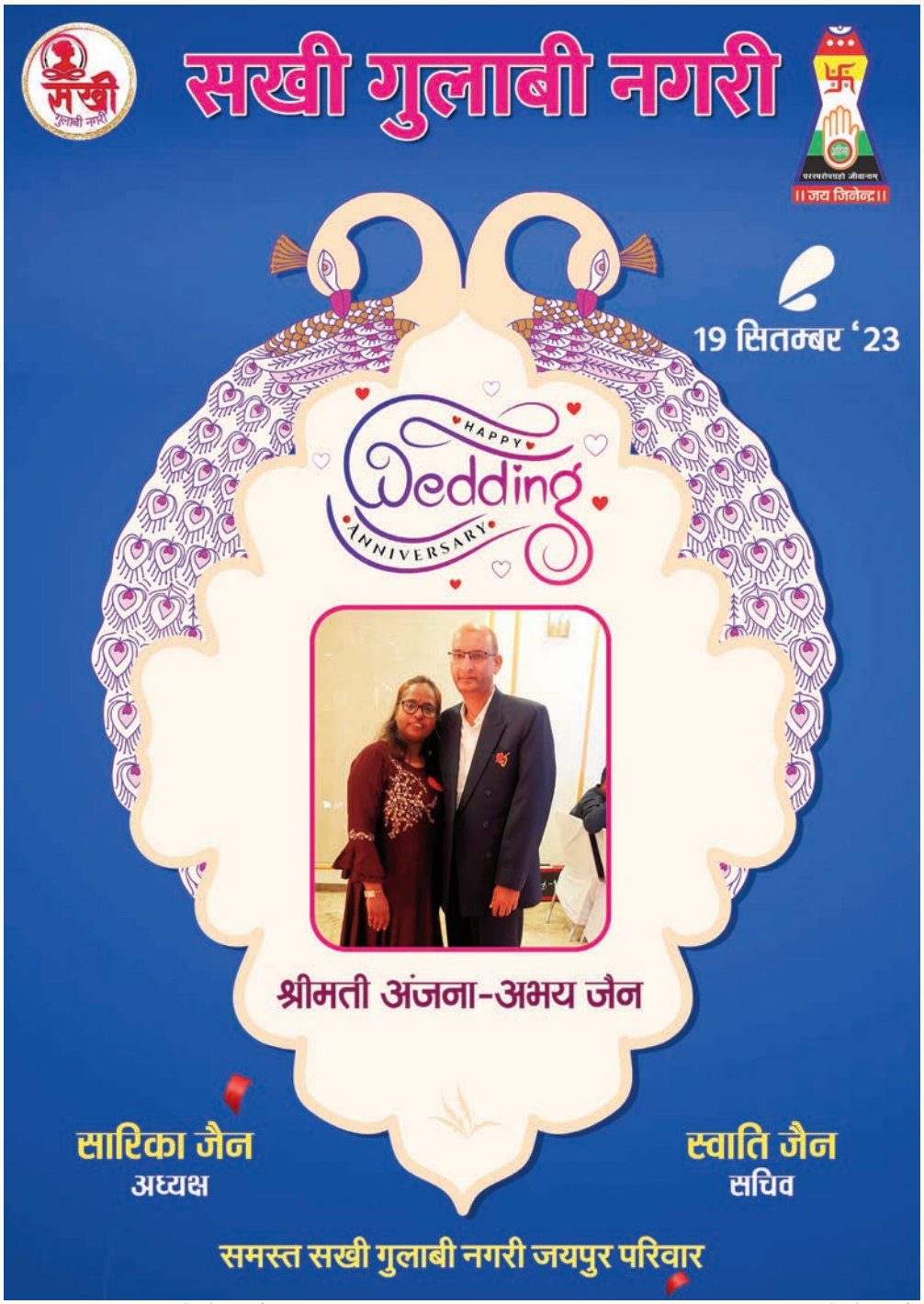

पुराने पापों को धोने के लिए दश धर्म वॉशिंग मशीन का काम करते हैं: गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में त्रिलोक तीज (रोट तीज) पर्व बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । प्रातःकालीन अभिषेक, शान्तिधारा करने भक्तों का मेला लगा था । त्रिलोक तीज व्रत पर गुरु माँ ने अनशन व्रत को धारण कर अपने तप को वृद्धिंगत किया । आगामी 19 सितम्बर से दश लक्षण पर्व पर श्री दशलक्षण महामण्डल विधान का आयोजन होगा । सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ के इतिहास में प्रथम बार गुरु भक्तों द्वारा पर्वराज दश लक्षण महापर्व मनाया जायेगा। माताजी ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि - दशलक्षण पर्व हमें गुणों की अभिवृद्धि करने की शिक्षा देता है । पतित से परमात्मा बनने की शिक्षा हमें दस धर्मों से ही मिलती है। इन दस दिनों में जो भी श्रावक देव - शास्त्र - गुरु की सेवा - पूजा -आराधना करता है वह अक्षय पुण्य का संचय करता है। पुराने पापों को धोने के लिए दश धर्म वॉशिंग मशीन का काम करते हैं। क्षमा से क्रोध को , मार्दव से मान को , आर्जव से माया को और शौच से लोभ को धो डालो। यही धर्म का सार है।

दशलक्षण धर्म: आत्मा के स्वाभाविक धर्म

जैन धर्म का पर्वराज दशलक्षण धर्म पर्व की आज 19/09/2023 को उत्तम क्षमा धर्म से शुरूआत एवं क्षमा वाणी पर्व मनाने के साथ समापन

जैनधर्म एक अनादि, अनंत, शाश्वत धर्म है । जैन धर्म की शुरूआत इस अवसर्पिणि काल के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के पूर्व से है। जैन धर्म के तीन मुख्य त्योहारों में 1) षोडश कारण भावना पर्व - भाद्रपद कृष्णा एकम से अश्विन कृष्णा एकम तक 31- 32 दिनों तक मनाया जाता है । षोडश कारण भावना का पालन करने से तीर्थंकर प्रकृति का आश्रव (बंधन) होता है, 2) अष्टांहिका पर्व - यह भक्ति का पर्व है, यह वर्ष में तीन बार मनाई जाता है एवं 3) दशलक्षण धर्म पर्व - यह भी वर्ष में तीन बार आता है, लेकिन भाद्रपद में आने वाले इस पर्व को बढ़े ही भक्तिभाव से मनाया जाता है । इस दौरान आत्मा के दस धर्मों की विशेष आराधना करते है । दस धर्मों का पालन करना साधकों, तपस्वियों के लिए अनिवार्य है एवं श्रावकगण भी आत्म कल्याण के दश धर्मों का पालन करने की चेष्टा करते हैं। दशलक्षण पर्व आत्मानुभूति का मार्ग प्रशस्त करता है, इसको पर्वराज भी कहा गया है । जैन धर्म में इस त्यौहार का महत्वपूर्ण स्थान है । यह पर्व जिनमंदिरो में विशेष पूजा एवं बड़े ही भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है । इस त्यौहार में जैन धर्मावलंबी सामान्यतः व्यापार एवं नौकरी से अवकाश पर रहते हैं। दिगंबर धर्म में 10 दिन तक चलने वाला यह पर्व इस वर्ष 19 सितंबर भाद्रपद शुक्ला चतुर्थी से प्रारंभ होकर 28 सितंबर - अनंत चतुर्दशी तक जारी रहेगा । इसी क्रम में अश्विन कृष्णा एकम, 30 सितंबर को क्षमावाणी पर्व मनाया जायेगा। दशलक्षण धर्म पर्व जैसा की नाम से आभास होता है दस धर्मों की पूजा एवं पालना की जाती है । ये दस धर्म है - 1) उत्तम क्षमा, 2) उत्तम मार्दव, 3) उत्तम आर्जव, 4) उत्तम शौच, 5) उत्तम सत्य, 6) उत्तम संयम, 7) उत्तम तप, 8) उत्तम त्याग, 9) उत्तम आकिंचन एवं 10) उत्तम ब्रह्मचर्य का पालन कर आत्म शुद्धि की जाती है, आत्मानुशासन की और अग्रसर होते है। इन सभी दस धर्म के अंतर्गुण नाम से ही स्वत : स्पष्ट है । ये सभी दस धर्म एक दूसरे के पूरक है । किसी भी एक धर्म की पालना, साधना करने पर शेष सभी धर्म स्वतः आत्मसात हो जाते है एवं साधक के जीवन का अंग बन जाते है। इन दस दिनो के दौरान जैन धर्मावलंबी जिन अभिषेक, शांतिधारा, पूजा, पाठ, स्वाध्याय यथावत करते है । प्रति दिन नित्य नियम पूजा के साथ दसों दिन सभी दशलक्षण धर्मों की आराधना का विधान है किंतु महत्ता की दृष्टि से प्रत्येक दिन क्रमशः अलग अलग धर्म के गुणों का विशेष वर्णन सूक्ष्मतम रूप में करने के साथ आत्मसात किया जाता है । दशलक्षण पर्व के दौरान जैन धर्म के मानने वाले साधना के मार्ग पर चलने हेतु व्रत, उपवास रखते है एवं इस अवधि में पूरी तरह सात्विक भोजन किया जाता है । बहुत से भक्त दस दिनों तक अन्न- जल ग्रहण ही नहीं करते है । श्रावकगण इस समय का सदुपयोग त्याग, तपस्या, आराधना और साधना का मार्ग अपना कर करते हैं । यह पर्व अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण करने, आत्मशुद्धि करने एवं कर्मो का क्षय कर मोक्षमार्ग प्रशस्त करने के लिए मनाया जाता है। जैन धर्मावलंबी इस पर्व के दौरान स्वाध्याय में पूरा ध्यान लगाते है। पर्व की अवधि में दिया गया दान का भी अपना महत्व है, सभी जैन धर्मावलंबी कुछ न कुछ दान देने का अभिप्राय अवश्य रखते है। दशलक्षण पर्व में व्यक्ति को अपने द्वारा किए बुरे कर्मों की निर्जरा करने एवम बुराई से दूर होने के लिए अवसर मिलता है । ये पर्व जीवो और जीने दो की राह पर चलने की प्रेरणा देता है । इस पर्व के अंत में अपने द्वारा की गई गलतियों पर विचार कर क्षमा मांगी जाती है। दश लक्षण पर्व आत्मशुद्धि का अवसर प्रदान करता है इसलिए इस दौरान पंच अणुव्रत / महाव्रत यथा अहिंसा अर्थात किसी को दुख, कष्ट ना पहुंचाना, सत्य के मार्ग पर चलना, चोरी ना करना, ब्रह्मचर्य का पालन करना, परिग्रह से दूर रहना, जैन धर्म के सिद्धांतों को रेखांकित करता है । जीवन को सर्वोत्तम तरीके से जीने की कला सिखाने वाले दश लक्षणों को व्यवहार में उतारने का पर्व दशलक्षण महापर्व है। दश लक्षण धर्म में प्रथम धर्म उत्तम क्षमा धर्म है । क्ष अर्थात क्षरण मा अर्थात मान का । क्षमा में अपने अहम का अहंकार का का त्याग आवश्यक होता है यह इसका मूल सिद्धांत है किंतने भी द्वेष, क्लेश, लड़ाई, झगड़े आदि का कारण अहंकार ही है । क्षमा करना, क्षमा मांगना दोनो ही क्षमा के गुण है। क्षमा के भाव अपना कर हम सभी मानव जीवन को स्वर्ग से भी सांसारिक तौर पर सुंदर, सुखी, आनंद की अनुभूति वाला बना सकते है एवम उसी के द्वारा हम जीवन मरण से छुटकारा पाकर मोक्ष मार्ग की और प्रशस्त सकते है। क्षमा के ज्ञान हेतु क्रोध की चर्चा होना पूर्णतः मनोवैज्ञानिक है। क्रोध में व्यक्ति दूसरों के साथ स्वयं का भी बहुत नुकसान कर देता है । यह एक ऐसा जहर है जिसकी उत्पत्ति अज्ञानता से एवं अंत पश्चाताप से होता है। क्षमा भाव से हम परिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रव्यापी एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के झगड़े यहां तक की युद्ध भी समाप्त कर सकते है । हम अपनी जीवन यात्रा सुगम कर सकते है । क्षमा से शारीरिक रोग दूर होते है एवम मानसिक शांति मिलती है। उल्लेखनीय है कि क्षमा धर्म या किसी भी धर्म पर जैन समाज का या किसी का भी कोई भी अधिकार नहीं है, कोई भी इसे अपनाकर अपना जीवन सार्थक बना सकते है। हां, यह जरूर है की जैन धर्मावलंबी क्षमा धर्म को उत्सव, पूजा, कर्म निर्जरा के रूप में प्रति वर्ष ही नही हर पल मनाता है। आज के परिपेक्ष्य में, विध्वंसकारी नीतियों के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय क्षमा दिवस मनाने की आवश्यकता है। विश्व शांति आपके अंतःस्थल पर अंकित होगी। इस तरह जैन धर्म के बताएं मार्ग पर चलकर विश्वशांति सुनिश्चित की जा सकती है। श्वेतांबर धर्मावलंबियों द्वारा इसे पर्युषण पर्व के रूप में 8 दिन तक, इस वर्ष 12 सितंबर से 19 सितंबर तक मनाया गया है।

संकलन: भागचंद जैन,
अध्यक्ष जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

आचार्य शिवमुनि की जन्मोत्सव और प्रवर्तक पन्नालाल जी म.सा. की जन्मजयंती तप त्याग के साथ मनाई

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

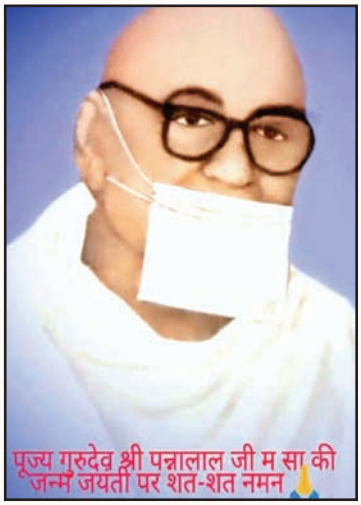

ब्यावर। बिरदभवन में चल रहे पर्युषण पर्व आराधना के सातवें दिवस श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर आचार्य शिवमुनि जी म.सा का जन्म महोत्सव एवं प्रवर्तक पन्नालाल जी म.सा. की जन्म जयंती तप त्याग के साथ मनाई गई। महासती धैर्यप्रभा ने बताया कि आचार्य भगवन की 82 वा जन्मदिवस हैं। उन्होंने आचार्य शिवमुनि के नाम के प्रत्येक अक्षर का अर्थ बताते हुए सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का उपदेश दिया। दिवाकर संघ मंत्री हेमन्त बाबेल ने बताया कि प्रवर्तक पन्नालाल जी म.सा. के जीवन को बताते हुए बताया कि उन्होंने 11 वर्ष की अल्पायु में मोतीलाल गुरुवर के सान्निध्य में संयम अंगीकार किया। वो भले जन्म से जैन कुल में उत्पन्न नही हुए पर उन्होंने जिस प्रकार जिनशासन की प्रभावना की वह अभूतपूर्व हैं। जिस प्रकार चौथमल गुरु

का जन्म दीक्षा और देवलोक तीनो रविवार को हुआ उसी प्रकार पन्नालाल जी म.सा. का जन्म दिक्षा व देवलोक तीनो शनिवार को हुए। उन्होंने अपने जीवन में कभी भी किसी भी जीव में भेदभाव नही किया। स्वयं आचार्य आनन्दऋषि जी उन्हें वन्दन किया करते थे। हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर प्राज्ञ भवन में सामूहिक नीवी तप का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी रूपेश कोठारी के अनुसार प्रवचन में महावीर भंडारी, प्रकाश बम्ब, रंजना, गुणमाला बोहरा, प्रियंका चोरडिया, मोनिका संचेती, पदमचंद बम्ब, कंचन बाई सिंघवी, महावीर चन्द नाहर आदि ने भी अपने विचार रख कर गुरु गुणगान किया। दिवाकर संघ अध्यक्ष देवराज लोढ़ा की पुत्रवधू पूर्णिमा लोढ़ा ने 30 उपवास (मासखमन) के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। महासती धृतिप्रभा, धीरप्रभा एवं धार्मिक प्रभा ने भी गुरु गुणगान में श्ये साधना, ये आराधनाश गीत गाकर उपस्थित धर्मसभा को मन्त्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सभी श्रावक श्राविकाओं ने गुरु गुणगान के साथ एवं अंतगढ़ सूत्र वाचन के साथ पर्युषण

श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर आचार्य सम्राट पूज्य श्री शिवमुनि जी महाराज

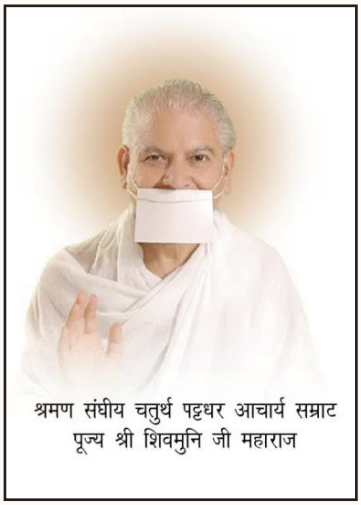

के सातवें दिवस धर्म आराधना की। महासती के सान्निध्य में कई छोटी बड़ी तपस्याएं गतिमान हैं।

शेखावाटी विकास परिषद में भागवत कथा

भगवान ही इस विश्व के रूप में प्रकट है : संतश्री हरिशरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

विद्याधर नगर स्थित शेखावाटी विकास परिषद में चल रही श्रीमद् भागवत कथा प्रसंग में सोमवार को संत श्री हरिशरण महाराज जी ने कहा कि जीव के कल्याण के लिए भगवान का सबसे श्रेष्ठ वचन है कि यह मान लो की सब कुछ भगवान ही है। भगवान ही इस विश्व के रूप में प्रकट है। मैं सहित सब कुछ प्रभु ही है ऐसा स्वीकार कर लेना सर्वश्रेष्ठ और शीघ्र कल्याण करने वाला साधन है। भगवान श्री कृष्ण उद्धव से कहते हैं कि मां देवकी की सौगंध खाकर मैं कहता हूं यह सर्वश्रेष्ठ साधन है,इसलिए अपने प्रयास में रहे कि हम मनवाणी कर्म से बुराई रहित होकर रहे। जीवन

में ना किसी का बुरा चाहो और ना ही किसी का बुरा करो तो निष्चित ही कल्याण होगा। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्ति का जीवन संसार की भागदौड में फंसकर अशांत हो जाता है। उस समय अपनी समस्याओं का समाधान के निदान प्राप्त करने के लिए जगह-जगह दौड़ती है,परंतु शांति की प्राप्ति नहीं हो पाती है। व्यक्ति के जीवन में यदि शांति प्राप्ति कहीं प्राप्त होती है तो वह भागवत कथा, जिसे श्रवण करने मात्र से ही व्यक्ति का जीवन सुखमय व भक्तिमय हो जाता है। उन्होंने यह भी बताया कहा कि व्यक्ति के जीवन में एक नहीं अनेक समस्याएं बनी रहती है जिसके समाधान के लिए व्यक्ति को कहीं जाने की जरूरत नहीं है। केवल भागवत की शरण में आने से ही सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। प्रवक्ता रामानंद मोदी ने बताया कि कथा 21 सितम्बर तक रोजाना दोपहर 2.30 बजे से शाम 7बजे तक होगी।

!! श्री नेमीनाथाय नमः!!

श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति

नेमी सागर कॉलोनी, जयपुर

परम हर्ष का विषय है कि दसलक्षण पर्व भाद्रपदशुक्ला चतुर्थी दिनांक 19 सितम्बर से भाद्रपद शुक्ला चतुदर्शी दिनांक 28 सितम्बर 2023 तक हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

प्रतिदिन के कार्यक्रम

श्री जी का अभिषेक एवं शांतीधारा	—	प्रात : 6:30 बजे
दसलक्षण विधान मण्डल पूजन साज बाज से (विधानाचार्य पं. श्री रमेश कुमार जैन शास्त्री एवं संगीतकार श्री आदि जैन एवं पार्टी)	—	अभिषेक के पश्चात
स्वाध्याय कक्षा	—	दोपहर 3:00 बजे
सायंकालीन आरती	—	सायं 6:30 बजे
णमोकार जाप	—	सायं 7:15 बजे
प्रवचन (वर्धमान भवन में)	—	सायं 7:30 बजे से
सांस्कृतिक कार्यक्रम (वर्धमान भवन में)	—	रात्रि 8:00 बजे से

क्र. सं.	दिनांक	पर्व	पूजन स्थापना	आरती पुण्यार्जक	कार्यक्रम विवरण	दीप प्रज्जवलन	पुण्यार्जक
1	19-09-2023	उत्तम क्षमा चतुर्थी	श्री हंसराज गंगवाल एवं परिवार	श्री कान्तीलाल जी सरोज जी दोषी एवं परिवार	धर्म को जानो और जीतो प्रस्तुति प्रिया ठोलिया, दिपिका गंगवाल	श्री जयकुमार बडजात्या सीकर वाले एवं परिवार	पुरस्कार श्री नेमीचन्द जी मुन्नी देवी ठोलिया एवं परिवार
2	20-09-2023	उत्तम मार्दव पंचमी	श्री डी.सी. जैन एवं परिवार	श्री राकेश जी सुनीता जी पहाडिया एवं परिवार	धार्मिक प्रश्नोत्तरी एवं धार्मिक फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता प्रस्तुति - नमिता ठोलिया, दीपिका बड़जात्या	श्री पूनम चन्द, अनिता, सौरभ, नमिता वैभव, दिशा, आस्तिक, कावरा, गौरिक ठोलिया एवं परिवार	पुरस्कार श्री कैलाश चंद, उर्मिला, विनोद, इशिता, प्रांजल एवं आर्यन जैन एवं परिवार
3	21-09-2023	उत्तम आर्जव छठ	श्री नेमीचन्द ठोलिया एवं परिवार	श्री डी सी जैन, संजय जैन अनिल जैन एवं परिवार	आपके द्वारा आपका ईलाज प्रस्तुति भारती जैन	श्री डी सी जैन, संजय जैन अनिल जैन एवं परिवार	कार्यक्रम पुण्यार्जक श्री डी सी जैन, संजय जैन, अनिल जैन एवं परिवार
4	22-09-2023	उत्तम सत्य सप्तमी	श्री प्रदीप निगोतिया एवं परिवार	श्रीमती संतोष बाकलीवाल एवं परिवार	रानी अहिल्या-नाटक का मंचन अधिष्ठात्री रेखा जैन अधीक्षक शीला डोड्या प्रस्तुति हर्षिता जैन सन्त सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय, सांगानेर	श्री सूरज जी, सीमा जी, मोहित जी सोनाली से सेठी एवं परिवार	कार्यक्रम पुण्यार्जक श्री सूरज जी, सीमा जी, मोहित जी सोनाली जी सेठी एवं परिवार
5	23-09-2023	उत्तम शौच अष्टमी	श्री अनिल जी धुआ वाले एवं परिवार	श्रीमती कमललता, विकास, रेणु अतिशय, उन्नति पाटनी परिवार दांता वाले	विशाल संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान रिद्धि सिद्धि मंत्रों द्वारा	श्रीमती कमललता, विकास, रेणु अतिशय, उन्नति पाटनी परिवार दांता वाले	कार्यक्रम पुण्यार्जक श्रीमती कमललता, विकास, रेणु अतिशय, उन्नति पाटनी परिवार दांता वाले
6	24-09-2023	उत्तम संयम नवमी व सुगंध दशमी	श्री विमल पाटनी एवं परिवार	श्री वीरेन्द्र जी, विनीत जी विपिन जी गोधा एवं परिवार	सुगंध दशमी एवं आरती सजाओ प्रतियोगिता	-	पुरस्कार किरण, आशुतोष, सुयश जैन, भाननगर
7	25-09-2023	उत्तम तप एकादशी	श्री निर्मल गोदीका एवं परिवार	श्रीमती सुमनलता, प्रदीप, खुशबू, किशना, निहाल सोगानी एवं परिवार खातीपुरा, पी.के. सैल्स एजेन्सी	ऐलक श्री धैर्यसागर महाराज द्वारा लिखित लव केमिस्ट्री पुस्तक पर आधारित नाटक का मंचन प्रस्तुति अरिहंत नाट्य संस्था, निर्देशक अजय जैन, लेखक तपन भट्ट	श्रीमती सुमनलता, प्रदीप, खुशबू, किशना, निहाल सोगानी एवं परिवार खातीपुरा पी.के. सैल्स एजेन्सी	कार्यक्रम पुण्यार्जक श्रीमती सुमनलता, प्रदीप, खुशबू, किशना निहाल सोगानी एवं परिवार खातीपुरा पी.के. सैल्स एजेन्सी
8	26-09-2023	उत्तम त्याग द्वादशी	श्री वीरेन्द्र गोधा एवं परिवार	श्री पदम पहाड़िया एवं परिवार	जैन धार्मिक हाउजी एवं भजन प्रतियोगिता प्रस्तुति प्रदीप निगोतिया	अश्विनी, मधु, अंशुल, रोहन जैन एवं परिवार	पुरस्कार श्री अशोक जी किरण जी झांझरी एवं परिवार दांता वाले
9	27-09-2023	उत्तम आंकिचन त्रयोदशी	श्री राजेन्द्र सेठी एवं परिवार	श्री संजीव, पिंकी, हितेश, रितिका, पूजा, लाइशा कासलीवाल एवं परिवार	गर्भ एवं जन्म कल्याणक एवं इन्द्र सभा, प्रस्तुति अजय जैन एण्ड पार्टी, महुआ	श्री संजीव, पिंकी, हितेश, रितिका पूजा, लाइशा कासलीवाल एवं परिवार	कार्यक्रम पुण्यार्जक श्री संजीव, पिंकी, हितेश, रितिका पूजा, लाइशा कासलीवाल एवं परिवार
10	28-09-2023	उत्तम ब्रह्मचर्य अनन्त चतुर्दशी	श्री जे.के. जैन एवं परिवार कालाडेरा	श्रीमती मंजू देवी सेठी एवं परिवार	विशाल संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान रिद्धि सिद्धि मंत्रों द्वारा	श्रीमती मंजू देवी सेठी एवं परिवार	कार्यक्रम पुण्यार्जक श्रीमती मंजू देवी सेठी एवं परिवार

नोट : ❖ चतुर्दशी के सायंकालीन कलशाभिषेक सायं 5.00 बजे एवं पडवा के सायंकालीन कलशाभिषेक सायं 4.30 बजे होंगे। पडवा के कलश के पश्चात वर्धमान भवन में सामुहिक क्षमावणी एवं सामूहिक वात्सल्य भोज का आयोजन होगा। सामुहिक क्षमावणी में पुरस्कार पुण्यार्जक :- श्री अनिल - सुमन, निकुंज - नंदिनी जैन इम्फाल (मणिपुर) वाले ❖ दिनांक 24.09.2023 से आरती सजाओं प्रतियोगिता होगी, स्वाध्याय कक्षा संयोजक : श्रीमती मुन्नी ठोलिया, श्रीमती मंजू पाण्ड्या ❖ सभी साधर्मी बन्धु परिवार सहित सभी कार्यक्रमों में सादर आमंत्रित है। ❖ सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक :- श्री एन के जैन, संजय जैन (पाटनी), विपिन पाटनी, राजेन्द सेठी, विजय जैन, गौरव अजमेरा, मोहित बड़जात्या तथा विनीत गोधा है। ❖ लाईटिंग पुण्यार्जक - श्री सुभाष जी गौरव अजमेरा एवं परिवार है।

आप सादर आमंत्रित है।

निवेदक

संरक्षक	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष	सयुक्त मंत्री
हंसराज गंगवाल गजराज गंगवाल	जे. के. जैन	अनिल जैन (धुआं वाले)	प्रदीप निगोतिया	एन के जैन	संजीव कासलीवाल

कार्यकारिणी सदस्य : राजेश गंगवाल, राजेन्द्र सेठी वीरेन्द्र गोधा, अशोक झांझरी, पूनम ठोलिया, विकास पाटनी सुभाष अजमेरा, निरज पहाडिया, मंजू देवी सेठी, किरण जैन

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय

बी-21ए, गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर

णमो सिद्धाणं

अहिंसा परमो धर्मः

दशलक्षण महापर्व

जैन राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

उत्तम शौच
शुक्रवार
22-09-2023
रात्रि 8.00 बजे से

आमंत्रित कविगण.....

डॉ. कमलेश जैन 'बसंत'

श्री कुलदीप 'ललकार'

श्री पंकज जैन 'फनकार'

श्री सौरभ जैन 'भयंकर'

श्री अनिल 'उपहार'

बालकवि
श्री दिव्य कमलध्वज 'चंचू'

मुख्य अतिथि : श्रीमती रंजु जी, सौरभ जी-खुशबू जी बाकलीवाल

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता : श्री शान्तिलाल जी सुशीलादेवी जी गंगवाल

प्रस्तुति : काव्ययुक्त वीर आराधना • संयोजक... रवि सेठी

... आप सादर आमंत्रित हैं ...

दशलक्षण महापर्व समारोह समिति

ताराचन्द पाटनी – अध्यक्ष

जितेन्द्र कुमार जैन – मंत्री

राजकुमार सेठी – उपाध्यक्ष

राजीव जैन गाजियाबाद – कार्याध्यक्ष

महावीर कुमार जैन झागवाले – संयुक्त मंत्री

सुरेन्द्र कुमार मोदी – कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्यगण... विजय दीवान • विनय कुमार छाबड़ा • शान्ति लाल गंगवाल • सुभाष पाटनी • सतीश बाकलीवाल

एवं समस्त प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय,गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर

संजय पाटनी • रमेश बोहरा • मनोज झांझरी • राजेश बड़जात्या • रवि सेठी • श्रीमती सुरीला सेठी • धर्मेन्द्र लुहाड़िया • सतीश गोधा
राजकुमार जैन • शैलेन्द्र गोधा 'समाचार जगत' • श्रीमती सीमा जैन गाजियाबाद • श्रीमती ममता पाटनी
श्रीमती दीपाली संघी • श्रीमती ज्योत्सना काला • श्रीमती प्रीति झांझरी • श्रीमती अनामिका कटारिया • श्रीमती कीर्ति मोदी

94140-54571 / 93145-07553 / 93527-22022

मस्ती की पाठशाला थीम में अभिनय से दर्शाया बचपन को

इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा किया गया आयोजन

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा एक शानदार रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लब सचिव डॉ विजेता ने बताया कि क्लब द्वारा जलसा रेस्टोरेंट में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पहले जनरल मीटिंग आयोजित की गई और आगामी गतिविधियों की जानकारी दी गई तथा सभी सदस्यों से यथा योग्य सहयोग की अपेक्षा की गई। मीटिंग के पश्चात एक रंगारंग प्रोग्राम

आयोजित किया गया, जिसमें ''बचपन के दिन भुला ना देना'' के अंतर्गत बचपन की मधुर स्मृतियों को ध्यान में रखते हुए सभी सदस्यों ने अपने अपने बचपन को नृत्य , संगीत एवं मनोरंजक गीतों द्वारा प्रदर्शित किया। ''मस्ती की पाठशाला'' थीम के अंतर्गत एक मस्ती भरी नाटिका द्वारा शिक्षक और बच्चों की प्रस्तुति सराहनीय रही । एक ग्रामीण बच्चों की मासूमियत को एक अभिनय द्वारा जीवंत किया गया । सभी सदस्यों ने अपने-अपने मनभावन नृत्यों के माध्यम से अपने बचपन को जिंदादिली के साथ प्रस्तुत किया। क्रमवार सफल संचालन काबिले तारीफ रहा। सभी सदस्यों ने अपनी भावनाओं को बचपन के पंख लगा कर आनंद की अनुभूति की। नए सदस्यों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की सफलता पर क्लब अध्यक्ष श्रीमति अर्चना माथुर उपाध्यक्ष श्रीमति सरिता भूटानी और क्लब आई पी पी श्रीमति शिखा अग्रवाल ने सभी सदस्यों को बधाई दी और आभार व्यक्त किया

पर्व राज दस लक्षण पर

नव सोपान चढ़ेंगे...

साधना,संयम का शुभ अवसर,
चलें धर्म के पास,
आत्मावलोकनकर कुछ बढ़ लें,
निज आत्म के पास.
उत्तमक्षमा, मार्दव, आर्जव,
मन की गांठे खोलें,
सत्य, शौच, संयम धारण कर,
प्रभु चरणों को धो लें.
तप व त्याग जो जीवन में हो,
हम सब श्रेष्ठ बनेंगे,
आकिंचन,ब्राह्मचार्यधारण कर,
नव सोपान चढ़ेंगे.
यह सब जीवन में आया तो,
खुला मुक्ति का द्वार,
सेवा, करुणा, प्रेम, नेह से,
वंदन बारम्बार. साधना, संयम..
पर्वराज दस लक्षण के दिन,
हैं अनुपम उपहार,
तन, मन को पावन कर करता,
पापों से उद्धार.
आओ हम सब इस अवसर का,
पूरा लाभ उठायें,
क्षमाकरें व क्षमा माँग कर,
मैत्री मुदिता लाएं.
पंचपरमेष्ठी वंदन करते,
मन में हर्ष अपार,
पर्वराज दस लक्षण अवसर, है अनुपम उपहार.

इंजिनियर अरुण कुमार जैन
भोपाल, ललितपुर, फरीदाबाद
7999469175

भारतीय जैन मिलन द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न

3000 से अधिक लोगो ने प्रतियोगिता में भाग लिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन,राजस्थान जैन ऑर्गनाइजेशन,भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा जिला जयपुर,नवकार किचन एंड इंटीरियर द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता का शुभारंभ श्री दिगंबर जैन मंदिर जनकपुरी ज्योति नगर में डॉक्टर अर्चना शर्मा समाज कल्याण मंत्री द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर राजीव जैन एवं पीयूष जैन समाज सेवी उपस्थित थे। प्रोजेक्ट डायरेक्टर अनिल अनीता जैन ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता दिनांक 17 सितंबर 2023 रविवार को जयपुर शहर के 51 जैन मंदिरों में आयोजित की गई जिसमें करीब 3000 प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता निभाई। और सभी 51 जैन मंदिरों में संयोजकगण बनाए गए जिन्होंने अपना सहयोग बखूबी दिया। राजस्थान जैन ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष मनीष झांझरी ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता के निम्न विषय पर बच्चों ने अपनी सहभागिता निभाई।

1.बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ।
2.चंद्रयान सफलता का सफर।
3 दस लक्षण पर्व का महत्व।
4 आचार्य विद्यासागर महाराज की जीवन शैली।
5 21वीं सदी भारत।
6 आओ नदियों को जोडे।

कार्यक्रम में पवन पांडया महामंत्री, तरुण जैन सचिव, अनीता जैन किरण झंझरी ,सुशील कासलीवाल, राजेश काला ,पूनम तिलक ,सुनीता जैन, रवि जैन एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

RTDC चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ ने मनाया जैन समाज के साथ रोट तीज पर्व

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। आज जैन समाज के पर्युषण पर्व के पूर्व रोट तीज का पर्व धूमधाम से आयोजित हुआ इस अवसर पर जैन समाज के सभी घरों मे रोट तुरई की सब्जी ,खीर ,दही का रायता प्रमुख रूप से बनता है । इस अवसर पर जैन समाज की परम्परानुसार सभी घरों मे विशिष्ट लोगों मित्रो परिवार जन आदि को बुलवाकर सामुहिक रूप से रोट तीज पर्व मनाया जाता है। इस पर्व पर जैन सोशल ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष वर्तमान जोन कॉर्डिनेटर जैन सोशल ग्रुप नॉर्दन रीजन श्रीमति रूपश्री, समाज सेवक मनोज जैन ने बताया कि इस अवसर पर आज RTDC चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ साहब को रोट तीज पर्व पर हमारे आवास पर आमंत्रित किया जहाँ मनोज जैन,रूपश्री जैन ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया व सामुहिक रूप से यह पर्व मनाया । इस अवसर पर पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल, गंगवाल पेट्रोल पंप के कैलाश गंगवाल,छोटा धडा के मैनेजर मनोज गोधा, आराधना टेंट एंड इवेंट्स के मालिक राजेश भार्गव , राजस्थान वेटेनरी के कंपाउंडर असोशियन के अध्यक्ष भवानी सिंह, अनीता भार्गव,लक्ष, दक्ष जैन व अन्य गणमान्य लोगो ने रोट का आनंद लिया RTDC चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ रोट तीज के अवसर पर छतरी योजना स्थित जैन मन्दिर में मुनि श्री संकल्प सागर जी एवम सद्भाव सागर जी का आशीर्वाद लिया।